ষ্রন্য-রেট্রা ধ্রন্য-শ্রেষ্ট্রা ব্রন্য-রেট্রা e to go with intent

অঘ্ন নেট্ৰা অঘ্ন শ্ৰীৰা অঘ্ন নেট্ৰা o to bring to completion; to finish; to complete; to perfect • {C} kṛta-paryanta ⊳ ঝ'র্ব্ ম'নাঝ'র্য্যু' বর্গুর্'ব্'অন্নর্ম্'ট্রির'র্ম''' Having brought to completion the progression along the unmistaken path, ... • প্রিল্ নে 'ক্র'ন্ 'ব্রান্ডা'র 'ব্র'ব্রান্ডা খ্ৰীব্ৰ''' Completing the activities of the paths of its own vehicle, ... (SGP) • নৃব র্শ্রমান্ত্রী पश्चीं पर्मूर पा अवर विद परि अर्द द हैं गया a clear realization of one who has completed the progress of a śrāvaka's path {SGP} • অ≹র प्यायायवराष्ट्रीय वया प्रयागित्र महिना 디흙지'리턴기 [He] obtained the supreme concentrations (dhyāna) [through] having perfected [the perfection of] effort. {N12} • সাম্বা यातामनेत्रा प्रम्रायाने प्रम्राप्तान বর্দ্র অর্থ প্রত্তির বি আর্ নে আর্ বা The third [section has] two [parts]: the actual statement of the explanation and the branches that complete the explanation. {RGV-G}

ন্থান্তীপ'এন্ড্রা ন্থান্তীপ'গুরা ন্থান্তীপ'এন্ড্রা to move slowly • (manda-√gam): {DVS} mandagati ► নির্বার্কিন্দ্রীন'''ন্থান্তীপ'এন্ড্রা নবি'এন্ড্রান্তীপা নইঝ'শুর'এন্বান্তীন্ত্রির'মূর্কিন্ ব্যানিল, [the elephant] Dhanapālaka, with a slow moving gait, went into the presence of the Bhagavān. {DVS}

ঘদন নেশা ঘদন শ্ৰীৰ বিদ্যান কৰিছা • to return safely • {BCA} kṣemeṇa ▷ ॡ খি দিল্লা জ্বা ঘদন কৰিছা কৰিছা কৰিছা to the seaport, ... {BCA}

. ম: ব: ব: ন্র্যা র: ব: ধ্রী ব র: ব: বর্যা • to become

न्द्रमात्रा न्द्रमात्रा श्रुद्धा न्द्रमात्रा त्या । o to recover; to regain one's breath; to feel relieved • (C) āśvāsta ► न्द्रमात्रा आश्रुद्धा न्द्रमात्रा श्रुद्धा न्द्रमात्रा । will give relief to those who are not relieved.

र्त्रण त्र्ज्ञ द्रण श्री द्रण त्र्ज्ञा ॰ to take a lower rebirth

त्र्वाग्रा IN वर्षम्या वर्षम्या

colloc.:

অনুঅ'(ম্ম')বর্মুনালা অনুঅ'(ম্ম')বর্মুনালা অনুঅ'(ম্ম')বর্মুনালা অনুঅ'(ম্ম')বর্মুনালা

त्र्रिष्या ॥ मृत्या वर्ग्रन

to die ⊳ हॅं 'तॅं'गॅ्र्स्ल'चते'हेल'शु*** After Atiša had died, ... {GCG}